वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 44 | शनिवार 8 जून 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय का अष्ठम दीक्षांत समारोह आयोजित

विश्वविद्यालय अपने यहां क्षेत्रीय इतिहास, सभ्यता और संस्कृति को परिलक्षित करने वाले केंद्रों की स्थापना करें: मिश्र

शिक्षा व्यक्ति की शारीरिक, बौद्धिक और भावनात्मक शक्तियों को विकसित करने के साथ-साथ उसे कौशल विकास और जीवन निर्वाह योग्य बनाने में मदद करने वाली होनी चाहिए। नई शिक्षा नीति के आलोक में हमें शिक्षा का ऐसा वातावरण विकसित करना होगा जिससे विद्यार्थी रोजगार देने वाले बनें। जीवन में सकारात्मकता आए, विद्यार्थी अपने जीवन में कौशल का विकास करें। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में पहुंच, उपलब्धता, गुणवत्ता, सामर्थ्य और जवाहदेही से शिक्षा को जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने कहा कि विश्वविद्यालय अपने यहां क्षेत्रीय इतिहास, सभ्यता और संस्कृति को परिलक्षित करने वाले केंद्रों की स्थापना करें। महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय के संत मीरा बाई सभागार में शुक्रवार को आयोजित आठवें दीक्षांत समारोह में मिश्र ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यक्ति की शारीरिक, बौद्धिक और भावनात्मक शक्तियों को विकसित करने के साथ-साथ उसे कौशल विकास और जीवन निर्वाह योग्य बनाने में मदद करने वाली होनी चाहिए। नई शिक्षा नीति के आलोक में हमें शिक्षा का ऐसा वातावरण विकसित करना होगा जिससे विद्यार्थी रोजगार देने वाले बनें। जीवन में सकारात्मकता आए, विद्यार्थी अपने जीवन में कौशल का विकास करें। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में पहुंच, उपलब्धता, गुणवत्ता, सामर्थ्य और जवाहदेही से शिक्षा को जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया गया है। दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने आए विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कुलाधिपति ने कहा कि दीक्षांत ज्ञान का एक पड़ाव मात्र है। आगे के जीवन में विद्यार्थी अपनी शिक्षा का उपयोग निजी स्वार्थों से ऊपर उठकर विश्व कल्याण के लिए करते हुए राष्ट्र के विकास में योगदान दें। दीक्षांत समारोह में 54 स्वर्ण पदक हासिल करने वाले विद्यार्थियों में 44 छात्राएं होने पर बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि बेटियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन यह साबित करता है कि यदि अवसर मिले तो बालिकाएं जीवन में तेजी से उत्कर्ष राहों का वरण करती हैं। विश्वविद्यालय द्वारा पीएचडी की मौखिक और प्रायोगिक परीक्षा के लिए विशेषज्ञ और शिक्षाविदों के व्याख्यान आयोजित करने की पहल को अनुकरणीय बताते हुए मिश्र ने कहा कि ज्ञान संवाद के इस नवाचार से विद्यार्थी निरन्तर लाभान्वित होंगे। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में संविधान पार्क ,स्वामी विवेकानंद, सुभाष चंद्र बोस, सरदार वल्लभभाई पटेल और महात्मा गांधी जैसे महापुरुषों के स्मारक बनने से युवाओं को प्रेरणा मिलने की बात कही। मिश्र ने कहा कि विश्वविद्यालय की विद्यार्थी निकिता लाम्बा द्वारा चीन में आयोजित विश्वविद्यालय खेलों में कांस्य पदक प्राप्त करना अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक है ,साथ ही यहां नये साइक्लिंग वैलोड्रम के निर्माण से खेल सुविधाओं के विस्तार का लाभ क्षेत्र के खिलाड़ियों को भी मिलेगा। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए प्रारंभ किए गए महाराजा गंगा सिंह अवॉर्ड और खेलकूद प्रतियोगिताओं में अव्वल प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को महाराज करणी सिंह अवॉर्ड देने की पहल की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि महाराजा गंगा सिंह जी ने युग प्रवर्तक के रूप में रेगिस्तान क्षेत्र में सिंचाई के लिए गंग नहर का निर्माण, रेलवे और बिजली नेटवर्क लाने का नवाचार किया । उनके कार्य शिक्षा के क्षेत्र में भी प्रेरणादायक हैं।

"घट-घट के वासी राम" 9 जून रविवार को

कार्यक्रम में रामभक्त पंकज ओझा अपनी ओजस्वी वाणी से श्रोताओं के समक्ष करेंगे प्रभु श्रीराम की महिमा का गुणगान

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री धर्म फाउंडेशन ट्रस्ट के तत्वावधान में महाराणा प्रताप सभागार, विद्याश्रम स्कूल, जे.एल.एन. मार्ग में रविवार शाम 4 से 7 बजे तक ''घट-घट के वासी राम'' एक संगीतमयी ज्ञान-यात्रा राम से प्रभु श्रीराम तक का आयोजन किया जाएगा। इससे पहले शुक्रवार को पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस कांफ्रेंस का संचालन श्री धर्म फाउंडेशन ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष सुधीर जैन गोधा ने किया। पत्रकार वार्ता के दौरान कार्यक्रम के मुख्य समन्वयक गब्बर कटारा ने बताया कि कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध रामभक्त पंकज ओझा अपनी ओजस्वी वाणी और गहरी आध्यात्मिक समझ के माध्यम से श्रोताओं के समक्ष प्रभु श्रीराम की महिमा और उनके आदर्शों को प्रस्तुत करेंगे। कटारा ने बताया कि यह कार्यक्रम श्रोताओं को प्रभु श्रीराम के जीवन और शिक्षाओं को गहराई से समझने का एक अवसर प्रदान करेगा। साथ ही यह कार्यक्रम युवा पीढ़ी का मानसिक विकास करने के साथ ही उनमें सनातन धर्म के प्रति आस्था पैदा करेगा। कार्यक्रम के दौरान पंकज ओझा पखावज, मजीरे, तबला, वायलिन, हारमोनियम और सिंथेसाइजर के साथ भगवान राम के जीवन काल के ऐसे गूढ़ रहस्यों के बारे में बताएंगे जो आजतक किसी ने नहीं बताए। रामभक्त ओझा राम से प्रभु श्री राम बनने तक की यात्रा को भी विस्तार से बताएंगे। कार्यक्रम में उपस्थित दर्शक कथा के माध्यम से प्रभु राम की लीलाओं और शिक्षाओं का श्रवण कर उन्हें आत्मसात करेंगे। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के आध्यात्मिक कार्यक्रमों से सामाजिक सौहार्द्र और समरसता में वृद्धि होती है तथा आमजन के हृदय में प्रभु राम के प्रति भक्ति और श्रद्धा और अधिक गहरी होती है। इस मौके पर श्री धर्म फाउंडेशन ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष सुधीर जैन गोधा, भारत भूषण अजमेरा, सर्वेश्वर शर्मा, डॉ. सुमित शर्मा, विवेक दसोरा, सचिन शर्मा, ममता पंचोली,सुनील गौड़, प्रमोद शर्मा, अभिषेकशर्मा और धीरज शर्मा उपस्थित थे।

वालंटियर समर्पण दिवस के रूप में मनाया पद्म विभूषण डी आर मेहता का जन्मदिन

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान जन मंच ट्रस्ट ने पक्षी चिकित्सालय में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त समाज सेवी पद्म विभूषण डीआर मेहता का जन्म दिन वालंटियर समर्पण दिवस के रूप में मनाया। इस मौके पर उपस्थितजनों ने समाज सेवा की शपथ ली। पक्षी चिकित्सालय के संस्थापक कमल लोचन ने बताया कि इस अवसर पर संस्था से जुड़े युवा वॉलिंटियर रितिका मीणा, अमोलक बैरवा,वैष्णवी खरा, सोनिया मीणा, अमन शर्मा, सौम्यता लोचन, शैतान चौधरी, सुनीता जाखड़, मोनिका, विकास शर्मा, पवन सैनी, राकेश चौधरी, संस्था पदाधिकारी रितु लोचन, सुनील गुप्ता, बनवारी लाल विजय आदि ने डीआर मेहता के जन्म दिवस पर पक्षी चिकित्सालय में सफाई अभियान भी आयोजित किया,साथ ही सभी सेवा कार्यों में वॉलिंटियर्स ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कमल लोचन ने बताया कि युवा वॉलिंटियर ऐसी शख्सियत से प्रेरणा लेकर अपने जीवन में सेवा कार्यों को करें। इस मौके पर डी आर मेहता ने सभी को शुभकामनाएं और आशीर्वाद देते हुए जनमंच और पक्षी चिकित्सालय के सेवा कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा की।

श्रद्धा पर आधारित प्रेरणादायी कथा है नानी बाई रो मायरो : सुश्री प्रिया किशोरी

जयपुर. शाबाश इंडिया। शहर के आराध्य देव श्री गोविन्द देव जी मंदिर के सत्संग भवन में त्रिदिवसीय नानी बाई रो मायरो की कथा का शुभारंभ शुक्रवार को हुआ। इस मौके पर नानी बाई रो मायरो की कथा सुनाते हुए सुश्री प्रिया किशोरी ने कहा कि नानी बाई रो मायरो अटूट श्रद्धा पर आधारित प्रेरणादायी कथा है। जहां कथा के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण का गुणगान किया जाता है। भगवान को यदि सच्चे मन से याद किया जाए तो वे अपने भक्तों की रक्षा करने स्वयं आते हैं। उन्होंने आगे कहा कि नरसी भगत ने महादेव जी को भक्ति से प्रगट कर लिया। और वरदान में धन दौलत नही मांगी ,मांगा की राधा कृष्ण मिल जाए यही वरदान दो। सच्चे भगत को धन दौलत से मोह नहीं होता। नानी बाई रो मायरो की शुरूआत नरसी भगत के जीवन से हुई। नरसी जन्म से ही गूंगे-बहरे थे। वो अपनी दादी के पास रहते थे। उनका एक भाई-भाभी भी थे। भाभी का स्वभाव कड़क था। एक संत की कृपा से नरसी की आवाज आ गई तथा उनका बहरापन भी ठीक हो गया। उन्होंने आगे कहा कि नरसी के माता-पिता गांव की एक महामारी का शिकार हो गए। नरसी का विवाह हुआ। लेकिन छोटी उम्र में भगवान को प्यारी हो गई। नरसी जी का दूसरा विवाह कराया गया। समय बीतने पर नरसी की लड़की नानीबाई का विवाह हुआ। इधर नरसी की भाभी ने उन्हें घर से निकाल दिया। नरसी श्रीकृष्ण के अटूट भक्त थे। वे उन्हीं की भक्ति में लग गए। उधर नानीबाई ने पुत्री को जन्म दिया और पुत्री विवाह लायक हो गई किन्तु नरसी को कोई खबर नहीं थी। लड़की के विवाह पर ननिहाल की तरफ से भात भरने की रस्म के चलते नरसी को सूचित किया गया। नरसी के पास देने को कुछ नहीं था। उसने भाई-बंधु से मदद की गुहार लगाई किंतु मदद तो दूर कोई भी चलने तक को तैयार नहीं हुआ।

जैन मन्दिर काठमांडू में शांति नाथ भगवान का जन्म तप मोक्ष कल्याणक महोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया

काठमांडू , नेपाल. शाबाश इंडिया। नेपाल की राजधानी काठमाण्डू के श्री 1008 आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में जैन धर्म के 16 वे तीर्थकर देवाधिदेव 1008 श्री शांति नाथ भगवान का जन्म तप व मोक्ष कल्याण महोत्सव बड़े ही हर्षो उल्लास के साथ बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। जानकारी देते हुए सामुहिक जिनेन्द्र आराधना संस्था नेपाल शाखा के अध्यक्ष सुभाष - अनिता जैन सेठी ने बताया कि इस पावन अवसर पर प्रातः काल में श्री जी के अभिषेक, शांतिधारा, नित्य पूजन पाठ हुआ व सायंकाल में 48 मंगल दीपको व रिद्धि मंत्रो के साथ भक्तामर स्त्रोत का पाठ किया गया। आयोजन के क्रम में सामुहिक महाआरती की गई। महाआरती के बाद में नमोकार महामंत्र जाप का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में शांति नाथ भगवान के गुण गान व जयकारों से पुरा मन्दिर प्रागण गुजाय मान हो गया। इस पावन अवसर पर कार्यक्रम में दिगम्बर जैन समाज की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। **-अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट**

राजस्थान में शतरंज के गुर सिखाने कलकत्ता से आए इंटरनेशनल मास्टर सुरवजीत साहा

जयपुर. शाबाश इंडिया

चेस पेरेंट्स एसोसिएशन द्वारा शतरंज प्रेमी ओम कुंवर की याद में ओम मेमोरियल आई एम कोचिंग कैंप का आयोजन किया जा रहा है। यह कैंप फॉर्टिस हॉस्पिटल में राजस्थान के खिलाड़ियों के लिए 7 जून से 9 जून 2024 तक रहेगा। राजस्थान के खिलाड़ियों को शतरंज के गुर सिखाने कलकत्ता से इंटरनेशनल मास्टर सुरवजीत साहा आए हैं, कैंप में ग्रुप अ और इ मैं शतरंज के खिलाड़ियों को ट्रेनिंग दी जा रही है। इंटरनेशनल मास्ट के अनुसार रविवार 9 जून को वे सभी प्रतिभागियों के साथ ब्लिट्ज या सिमुल की योजना बना रहे हैं। अध्यक्ष अमित गुप्ता ने बताया कि राजस्थान के विभिन्न शहरों जैसे कोटा, भरतपुर, नागौर, अजमेर ,जयपुर, जोधपुर आदि से लगभग 40 प्रतिभागी इस कैंप में शामिल हुए हैं। चेस पेरेंट्स एसोसिएशन राजस्थान के मीडिया प्रभारी जिनेश कुमार जैन ने बताया कि यह कैंप राजस्थान के खिलाड़ियों के लिए रखा गया है इस कैंप को लेकर सभी खिलाड़ियों में बहुत उत्साह है और सभी प्रतिभागी चाह रहे हैं कि इस तरह का कैंप समय-समय पर राजस्थान में होना चाहिए जिससे कि राजस्थान के

खिलाड़ियों को भी पूरे विश्व में पहचान बनाने का सुनहरा मौका मिले। चेस पेरेंट्स एसोसिएशन के सचिव ललित बरडीया ने सभी खिलाड़ियों को आश्वासन दिया कि चेस पैंट्स एसोसिएशन राजस्थान में इस प्रकार के कैंप और चेस टूर्नामेंट समय-समय पर करता रहेगा।

खुशी के साथ जीने का तरीका है एकता : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

जयपुर. शाबाश इंडिया

प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न 105 गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ जयपुर में धर्म का परचम लहराते हुए धर्म की महती प्रभावना कर रही है । माताजी का उद्देश्य समाज मे एकता का संचार करना है। माताजी ससंघ की निर्विघ्न आहारचर्या करवाने का सौभाग्य राजकुमार पचेवर वालों ने प्राप्त किया। पूरे पारिवारिक जन माताजी के चरण पखारकर अपने जीवन को धन्य मान रहे थे। माताजी ने समाज को एकता का संदेश देते हुए कहा कि - एकता का किला सबसे सुरक्षित होता है। न वह टूटता है और न ही इसमें रहने वाला कभी दुःखी होता है। एकता में इतनी ताकत है कि किसी बड़े से बड़े दुश्मन को भी पराजित कर सकती है। यदि आपको एकता की ताकत देखना है तो किसी मधुमक्खी के छत्ते पर पत्थर मार कर देखो । समर्थन और विरोध विचारों का करना चाहिए व्यक्ति का नहीं , मतभेद को कभी मनभेद नहीं बनाना चाहिए। हमें तोड़ने वाले खुद टूट जाएंगे यदि हम थोड़े शिक्षित हो जाएंगे। जब हम एकता के साथ रहते हैं तो हम खुशी के साथ जीने का तरीका सीख लेते हैं। माताजी ने कहा मेरा सभी समाज से कहना है कि यदि हमें अपने धर्म को बचाना है तो हमें एकता के सूत्र में बंधना होगा। सभी एकमत होंगे तो हम अपने तीर्थों धर्म को बचा सकते हैं।

वेद ज्ञान

परमात्मा को शक्ति...

जब मनुष्य की सभी उम्मीदें खत्म हो जाती हैं और वह स्वयं को लाचार महसूस करता है तब उसे परमात्मा की शक्ति पर भरोसा करना चाहिए। परमात्मा की शक्ति से मनुष्य किसी भी क्षण चमत्कार कर सकता है। जो व्यक्ति प्रत्येक क्षण परमात्मा की शक्ति पर विश्वास बनाए रखते हैं वह कभी परेशान-हैरान नहीं रहते, बल्कि ऐसे व्यक्ति विपरीत परिस्थितियों को भी अपने पक्ष में करने की क्षमता रखते हैं। परमात्मा की शक्ति असीम होती है और इसके बल पर मनुष्य कुछ भी प्राप्त कर सकता है। परमात्मा की शक्ति से मनुष्य असंभव लगने वाले कार्य को भी बेहद सरलता से हल कर सकता है। जब मनुष्य के मन में परमात्मा के प्रति भक्ति भाव जाग्रत होता है तो उसे कुछ भी अपने विपरीत लगता ही नहीं। ऐसे व्यक्ति प्रत्येक परिस्थिति का आनंद लेते हैं और यह मानते हैं कि प्रतिकूल परिस्थितियां भी उनके अनुकूल ही हैं। ऐसे में मनुष्य को लगता है कि प्रत्येक कार्य परमात्मा की इच्छा से ही हुआ है, इसलिए विपरीत परिस्थितियां भी जरूर उनके हित में होंगी। ऐसे व्यक्ति अपना सर्वस्व परमात्मा के ऊपर छोड़ देते हैं और उनके जीवन में बुरा समय भी आता है तो वे उसका मुकाबला धैर्य और साहस से करते हैं। गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं कि जो भी मेरी शरण में आता है वह भवसागर पार कर लेता है। मनुष्य को हमेशा यह बात ध्यान रखनी चाहिए कि उसके विकास का आधार आलस्य नहीं, बल्कि विषम परिस्थितियां हैं। इसलिए उसे विपरीत समय में संताप करने के बजाय डटकर उसका मुकाबला करना चाहिए। मनुष्य अपने धैर्य, साहस और बुद्धि के पराक्रम से किसी भी तरह की परिस्थिति का सामना कर सकता है। जो व्यक्ति स्वयं अपनी मदद करते हैं उन्हें ही परमात्मा की शक्ति प्राप्त होती है। इसलिए मनुष्य को अपने जीवन के हर मोड़ पर सीखने का भाव और कठिन परिस्थिति को जीवन में आगे बढ़ने के अवसर के रूप में देखना चाहिए। मनुष्य को अपने जीवन के प्रत्येक क्षण में परमात्मा की शक्ति की आवश्यकता होती है। इसलिए उसे हमेशा परमात्मा को याद करते रहना चाहिए। फिर चाहे वह सुखमय जीवन जी रहा हो या फिर उसका जीवन संकट में हो।

संपादकीय

गठबंधन सरकारों में खींचतान नई बात नहीं

गठबंधन सरकारों में सहयोगी दलों की मंत्री पद और विभागों की मांग को लेकर खींचतान नई बात नहीं है। हर दल का मुखिया अपने नेताओं की सामूहिक आकांक्षाओं को साथ लेकर चलता है। गठबंधन का पहला धर्म होता है, नीतियों और योजनाओं पर फैसले के समय निजी या दलगत स्वार्थों से ऊपर उठ कर सहमति बनाने का। गठबंधन का एक भी दल इस धर्म का निर्वाह नहीं कर पाता, तो वह सरकार चल नहीं पाती। देश में गठबंधन

सरकारें बनी और चली हैं, पर वे तब-तब गिर गई हैं, जब गठबंधन धर्म के निर्वाह में दलगत स्वार्थ या वैचारिक मतभेद आड़े आए हैं। इस बार फिर गठबंधन सरकार बनने जा रही है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने नरेंद्र मोदी की अगुआई में सरकार बनाने पर सहमति जता दी है। मंत्रालयों के बंटवारे आदि को लेकर मंथन चल रहा है। हर बड़े दल से बड़प्पन की अपेक्षा रहती है और वह थोड़ा झुक कर अपने सहयोगियों का मान ऊपर रख भी लेता है। मगर सरकार गठन से पहले ही जिस तरह जद (यू) और तेलगु देशम की तरफ से नीतियों को लेकर शर्तें रखी जाने लगी हैं, उससे गठबंधन के भविष्य पर आशंका गहराने लगी है। जद (यू) ने कहा है कि अग्निवीर योजना पर सरकार को पुनर्विचार करना चाहिए। यही मांग विपक्षी दल शुरू से उठाते आ रहे हैं। चुनाव प्रचार के दौरान इंडिया गठबंधन ने तो सार्वजनिक रूप से एलान किया था कि अगर उसकी सरकार बनी तो अग्निवीर योजना को खत्म कर देंगे। वही बात अगर सहयोगी करने लगेंगे, तो सरकार के लिए मुश्किल होगी। भाजपा समान नागरिक संहिता लागू करना चाहती है। इस दिशा में वह आगे भी बढ़ चुकी है। मगर उसके दोनों प्रमुख सहयोगी दलों ने इस पर भी पुनर्विचार की बात कही है। सभी राज्य सरकारों से सहमति की मांग कर रहे हैं। हालांकि ये कुछ ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर सरकार अगर लचीला रुख अपनाए, तो सहमति बन सकती है। राजनीति में हर कदम के दूरगामी परिणाम होते हैं। कौन-सा दल किस मुद्दे पर अपनी बात मनवा लेता है, उससे उसके राजनीतिक भविष्य पर असर पड़ता है। भाजपा को इस वक्त सहयोगी दलों के साथ मिल कर सरकार चलाने की मजबूरी है, पर वह अपने सिद्धांतों और नीतियों से डिगेगी, तो नुकसान का खतरा बना रहेगा। ऐसी स्थितियों में सरकार की अगुआई कर रहे दल के सामने चुनौती होती है कि वह कैसे अपने सहयोगियों को नीतियों पर एकमत करे और किस हद तक उनकी शर्तों को माने। नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू की राजनीतिक छवि टिकाऊ और भरोसेमंद सहयोगी की नहीं रही है। इससे पहले भी वे कई बार राजग के साथ रहे, बीच में छोड़ कर चले गए, फिर आ गए हैं। बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा देने जैसी उनकी कुछ पुरानी मांगें हैं। इसके अलावा अल्पसंख्यकों के आरक्षण के मुद्दे पर भी उनके विचार अलग हैं। अब जब वे मोलभाव करने की स्थिति में हैं, ये मुद्दे उठा सकते हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

राजनीतिक व्यवस्था

भारतीय जनता पार्टी लोक सभा चुनावों में बहुमत के आंकड़े से दूर रह गई है और इस बात ने अधिकांश राजनीतिक विश्लेषकों को आश्चर्यचकित किया है। खासतौर पर इसलिए कि किसी भी एक्जिट पोल या ओपिनियन पोल में ऐसी संभावना नहीं जताई गई थी। हालांकि राज्यों के राजनीतिक हालात के आधार पर चुनाव नतीजों का अलग-अलग पहलुओं से विश्लेषण किया जा रहा है लेकिन यह कहा जा सकता है कि केंद्र में गठबंधन की सरकार देश की नैसर्गिक राजनीतिक व्यवस्था का अंग है और बीते 10 वर्ष इस लिहाज से थोड़ा अलग थे। बीते 10 वर्षों को छोड़ दिया जाए तो सन 1989 से ही देश में गठबंधन की सरकारें रही हैं। उससे पहले 1984 में कांग्रेस को ऐतिहासिक बहुमत मिला था लेकिन 1989 में पार्टी हार गई थी। बीते दो आम चुनावों की प्रकृति कुछ अलग थी। भाजपा को 2014 में महत्त्वपूर्ण जीत मिली थी और उस चुनाव में जनता ने बदलाव के लिए मतदान किया था। 2019 में पुलवामा और बालाकोट के बाद पार्टी ने राष्ट्रवाद के मुद्दे पर और मजबूत जीत हासिल की। इस बार अपेक्षाकृत सामान्य चुनाव में पार्टी सामान्य बहुमत से पीछे रह गई। इस चुनाव में शासन और स्थानीय मुद्दे प्रमुख थे। बहरहाल, भाजपानीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन आराम से सरकार बनाने की स्थिति में है। देश के राजनीतिक मानचित्र पर एक नजर डालें तो पता चलता है कि हालात केंद्र में गठबंधन सरकार के अनुकूल रहे हैं। देश में 11 ऐसे राज्य हैं जहां क्षेत्रीय दलों की महत्त्वपूर्ण उपस्थिति है-उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, झारखंड, पंजाब, जम्मू-कश्मीर तथा केरल (यदि वाम को क्षेत्रीय ताकत माना जाए)। इन राज्यों में 347 लोक सभा सीट हैं। अन्य 10 राज्य ऐसे हैं जहां राज्यस्तरीय दलों का पराभव हुआ है या उनका कोई अस्तित्व ही नहीं था। ये राज्य हैं- कर्नाटक, तेलंगाना, असम, हरियाणा, गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड। इन राज्यों में 169 लोक सभा सीटें हैं। कुल मिलाकर इन सभी राज्यों में 500 से अधिक सीटें हैं। ताजा परिणाम दिखाते हैं कि कांग्रेस ने दूसरी श्रेणी के कुछ राज्यों में भाजपा को चुनौती देने का तरीका तलाश लिया है। कांग्रेस का पराभव भी भाजपा के बहुमत तक पहुंचने की एक वजह थी। समाजवादी पार्टी ने भी उत्तर प्रदेश में जबरदस्त प्रदर्शन किया है और लोक सभा में भाजपा को बहुमत नहीं मिलने देने में उसकी भी अहम भूमिका रही है। ऐसे में देश के राजनीतिक हालात को देखते हुए भाजपा को अब अपने हिंदुत्ववादी बयानों को नियंत्रित करना होगा ताकि क्षेत्रीय दल उसके साथ बने रहें। अगर नीतीश कुमार के नेतृत्व वाला जनता दल यूनाइटेड समय पर साथ नहीं आया होता तो भाजपा के लिए हालात बहुत मुश्किल हो जाते। कांग्रेस की क्षेत्रीय दलों में स्वीकार्यता बढ़ी है तथा वह उनके लिए जगह खाली करने की इच्छुक है। यह बात भी बताती है कि गठबंधन देश में प्राकृतिक हैं। वित्तीय बाजारों में तथा अन्य स्थानों पर यह चिंता है कि केंद्र में गठबंधन की सरकार होने से सुधार प्रभावित होंगे, लेकिन इस बात के पर्याप्त प्रमाण हैं कि गठबंधन सरकारें सुधारों के क्रियान्वयन के मामले में बेहतर साबित हुई हैं।

सौरभ दुनिया तो छोड़ गए पर उनके नेत्र देंगे दो नेत्रहीनों को नई दृष्टि

महावीर युवक मण्डल की प्रेरणा से किया नेत्रदान

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। युवा सौरभ बाबेल आकस्मिक निधन से दुनिया से तो विदा हो गए पर काया के राख होने से पहले नेत्रों का दान करने से दो नेत्रहीन व्यक्तियों के जीवन में नई रोशनी आ सकेगी। महेश कुमार बाबेल के सुपुत्र सौरभ के निधन होने पर श्री महावीर युवक मण्डल सेवा संस्थान भीलवाड़ा की प्रेरणा से परिजनों ने उनके नेत्रदान के लिए सहमति व्यक्त की। रामस्नेही हॉस्पिटल एवं आई बैंक की टीम ने परिवार के निवास पर पहुंचकर दोनों नेत्रों का सफलतापूर्वक उत्सर्जन किया। नेत्रदान के लिए बाबेल परिवार की पहल की सराहना करते हुए महावीर युवक मण्डल ने उनका भी अभिनंदन किया। नेत्रदान के लिए प्रेरणा देने ओर इस कार्य में सहयोग करने वालों में बाबेल परिवार के सदस्यों के साथ मण्डल के अध्यक्ष पुखराज चौधरी, हेमन्त बाबेल, प्रशान्त बाबेल,पुनीत कोठारी, अर्पित चौधरी, आशीष चौधरी, अंशुल सांखला आदि शामिल रहे। गौरतलब है कि सेवा, सम्पर्ण व संस्कार के लक्ष्य से कार्यरत श्री महावीर युवक मण्डल सेवा संस्थान की प्रेरणा से भीलवाड़ा में अब तक मरणोपरान्त कई देहदान, अंगदान व नेत्रदान हो चुके है ओर कई लोग पीड़ित मानवता की सेवा के इस मिशन में सहभागी बनने के लिए संकल्प पत्र भर चुके है।

श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन महिला मण्डल सूर्य नगर की नव निर्वाचित कमेटी का हुआ गठन

मंदिर प्रांगण में हुआ शपथ ग्रहण समारोह। सुधा जैन अलवर अध्यक्ष, अल्का लोंग्या मंत्री बनी

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन महिला मण्डल सूर्य नगर तारों की कूट की कार्यकारिणी समिति का पुनर्गठन किया गया है। मंदिर प्रबंधकारिणी समिति अध्यक्ष ईजी. नवीन जैन एवं मंत्री धनेश सेठी के मुताबिक महेश देवी पाटनी एवं लता बाकलीवाल संरक्षिका, सुधा जैन अलवर अध्यक्षा, नीरु छाबड़ा उपाध्यक्षा, अल्का लोंग्या मंत्री, दीपिका जैन कोटखावदा संयुक्त मंत्री, मीना सेठी कोषाध्यक्ष, अमिता कोठयारी सह कोषाध्यक्ष, रेणू गोधा सांस्कृतिक मंत्री, दीपिका गोधा, कविता लुहाडिया सह सांस्कृतिक मंत्री, पुष्पा गोयल प्रचार मंत्री, बीना संघी सह प्रचार मंत्री बनाई गई हैं। सीमा बाकलीवाल, रेखा जैन, विनीता लुहाडिया आहार व्यवस्थापक, प्रेम लता कासलीवाल, पाना देवी सेठी, मिथिलेश सोगानी, कमला देवी पाटनी परामर्शदाता, शांति देवी सोगानी, किरण पाण्डया, कमला पाण्डया, अंजू पापडीवाल, इंदू टोंग्या, पुष्पा पाटोदी, राज कुमारी जैन एवं कमलेश जैन को सदस्य बनाया गया है। **शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न:** मंदिर प्रांगण में नवगठित कार्यकारिणी समिति का शपथ ग्रहण समारोह हुआ। मंगलाचरण के बाद मंदिर कमेटी के संरक्षक नाभिराय सोगानी एवं सदस्य धनराज जैन ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को शपथ दिलाई। इस मौके पर राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए नवीन कार्यकारिणी को बधाई दी एवं मंदिर कमेटी के सानिध्य में निस्वार्थ भावना एवं सक्रियता के साथ समाज हित में टीम भावना से कार्य करने का आव्हान किया।

चैतन्य संस्कार शिविर : समयसार विधान का आयोजन

उदयपुर. शाबाश इंडिया। हिरण मगरी , सेक्टर -3 , श्री शांतिनाथ दिगंबर मंदिर सेक्टर - 3 में आज चैतन्य संस्कार शिविर का तीसरे दिन का शुभारंभ जिनेन्द्र प्रभू के प्रक्षाल से हुआ इस अवसर समयसार मंडल विधान के आश्रव / संवर / निर्जरा अधिकार के अर्घ्य समर्पित किये गये । ट्रस्ट के अध्यक्ष शांतिलाल अखावत ने बताया कि समयसार मंडल विधान पं. महावीर प्रसाद शास्त्री ने कराते हुए बच्चों मंत्रों के व छन्दों के भाव को समझाया। हितंकर शास्त्री द्वारा भक्ति भाव पूर्वक भक्ति करा ई गई । तत्पश्चात बाल वर्ग किशोर वर्ग और युवा वर्ग की अलग-अलग कक्षाएं प्रारंभ हुई । जिसमें बाल वर्ग की कक्षा निपेक्षा जैन, किशोर वर्ग की कक्षा पंडित गजेन्द्र शास्त्री द्वारा जैनधर्म की वैज्ञानिकता ली गई। बच्चों को अनेक रोचक गेम खेलाएँ गये। कहानियां सुनाई। युवा वर्ग की कक्षा पंडित खेमचंद जी जैनदर्शनाचार्य द्वारा ली गई जिसमें जैन धर्म अनेकों विशेषताओं पर प्रकाश डाला ।उन्होंने बताया कि जैन दर्शन में ही अनेकांत स्याद्वाद , नय व्यवस्था की व्यवस्था है। । जैनदर्शन प्राचीन, अहिंसावादी ' राष्ट्रीय हितैषी , पर्यावरण प्रेमी आदि अनेक विशेषताओं से युक्त है। तत्पश्चात को अल्पाहार कराया गया । सायं काल जिनेंद्र भक्ति का आयोजन किया गया । बाल कक्षा , किशोर का आयोजन हुआ । सत्पुरुष श्रीकानजी स्वामी का सीडी प्रवचन और रात्रि में पंडित महावीर प्रसाद शास्त्री द्वारा युवा वर्ग की कक्षा ली गई । जिसमें पूजन क्यों' ,कैसे पर प्रकाश डाला ।

दिगम्बर जैन महासमिति एवं सुविरा हॉस्पिटल मानसरोवर में एक टॉक शो

जयपुर. शाबाश इंडिया

सुविरा हॉस्पिटल मानसरोवर के बोर्ड मीटिंग हॉल में दिगम्बर जैन महासमिति के पदाधिकारीयों से सुविरा हॉस्पिटल में अलग-अलग बीमारियों के इलाज के संदर्भ में एक टॉक शो का आयोजन रखा गया। इस आयोजन के अंतर्गत सुविरा हॉस्पिटल के डॉक्टर रूद्रदेव पांडे- डायरेक्टर इंटरवेंशन कार्डियोलॉजी , डॉक्टर विपिन जैन -डायरेक्टर लेप्रोस्कोपी, जी आई एंड लेजर सर्जरी , साथ ही हास्पिटल के वृद्धि एवं विकास प्रबंधक विशालसिंह एवं मारूफ अहमद के साथ अस्पताल के डॉक्टर तथा कर्मचारी गण भी उपस्थित थे। महासमिति के पदाधिकारी सुरेंद्र कुमार जैन पांड्या -राष्ट्रीय महामंत्री, नवीन सेन जी - शशि सेन जैन - राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष, अनिल जैन आईपीएस -शशि जैन - अंचल अध्यक्ष, महावीर बाकलीवाल -अंचल महामंत्री, डॉ राजेन्द्र कुमार जैन - राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री, डाक्टर णमोकार जैन - अंचल कार्याध्यक्ष, अशोक लुहाड़िया , शांति काला, महावीर चांदवाड - अंचल मंत्री , विनोद बाकलीवाल , राजेंद्र पापड़ीवाल सुरेंद्र डिग्गीवाल की गरिमामय उपस्थिति रही। मेडिकल राष्ट्रीय संयोजक निर्मल कुमार संघी ने सभी पदाधिकारी गण का परिचय कराया तथा सभी

पदाधिकारियों द्वारा अस्पताल की टीम का माल्यार्पण कर एवं दुपट्टा उढाकर सम्मान किया गया इसके पश्चात एक टाक शो का आयोजन किया गया। टाक शो के बाद एवं हाई टी के पश्चात सभी ने अस्पताल की सुविधाओ के बारे में अवगत कराया। सुविरा हॉस्पिटल द्वारा महासमिति के सदस्यों को इलाज हेतु विशेष छूट प्रदान करने हेतु एक सील सुदा हस्ताक्षरित अनुबंध पत्र जिसके अंतर्गत अस्पताल के अधिकारी के हस्ताक्षर के साथ महासमिति के सुरेंद्र कुमार पांड्या एवं निर्मल कुमार संघी एवं विशाल सिंह एवं विकास प्रबंधक द्वारा अनुबंध जारी किया गया।

टीकमगढ़ की बेटी बनेगी डिप्टी कलेक्टर, मनीषा जैन ने लहराया परचम

मुकेश जैन लार. शाबाश इंडिया

टीकमगढ़। एम पी पी पी एस के घोषित परीक्षा परिणामों में नंदीश्वर कॉलोनी, टीकमगढ़ निवासी जिनेन्द्र जैन - रीना जैन की सुपुत्री कु. मनीषा जैन ने टॉप टेन में चतुर्थ स्थान प्राप्त कर परिवार, जैन समाज एवम टीकमगढ़ का नाम रोशन किया है।मध्य प्रदेश में चौथी रैंक हासिल करने वाली मनीष जैन के पिता जिनेंद्र जैन टीकमगढ़ शहर में हार्डवेयर की दुकान संचालित करते हैं। देर शाम रिजल्ट आने के बाद मनीषा को बधाई देना उनके शुभचिंतक घर पहुंचे। मनीषा के पिता ने बताया कि वह पिछले 5 साल से एम पी पी पी एस की तैयारी कर रही। अब जाकर उसको सफलता मिली है।तीन भाई बहनों में मनीषा सबसे बड़ी है दो भाई उनसे छोटे हैं इस समय वह पढ़ाई कर रहे हैं। बधाई देने वालों मे अशोक जैन शिक्षक, पवन घुवारा, संतोष मेडिको, वीरेन्द्र सापोन महेन्द्र डिकोली, महेन्द्र सिंघई बड़ागांव श्रीमती प्रमिला सिंघई ज्ञान चौधरी लार अक्षय जैन बंधा, मुरली जैन धीरज वर्मा समलित हुये।

टीले वाले बाबा के उदगम स्थल जहां गईया स्वत: दुग्ध झरती थी उस अतिशय क्षैत्र महावीरजी में पूजा, अर्चना, अभिषेक कर यात्रियों ने जीवन धन्य किया...

श्री महावीर जी. शाबाश इंडिया। अष्टपद यात्रा संघ बांसवाड़ा डुंगरपुर रतलाम, डडूका, कनबा, कतिसोर एवं पाडली के यात्रियों ने यात्रा के 19वे दिन राजस्थान के महावीरजी स्थित अतिशय क्षैत्र में टीले वाले बाबा नाम से मशहूर भगवान महावीर की पुजा, अर्चना एवं अभिषेक का लाभ प्राप्त कर अपना जीवन तो धन्य किया ही वागड़, मेवाड़ की खुशहाली, सुख समृद्धि और सुवृष्टि के लिए कामना की। यात्रा संघ के अजीत कोठिया ने बताया की प्रातः 6बजे मूल मंदिर में गइया द्वारा प्रतिदिन सैकड़ों वर्षों पूर्व स्वतः दूध झरने के स्थान से प्राप्त भगवान महावीर स्वामी की पाषाण प्रतिमा पर अजीत कोठिया, मोहनलाल जैन,पृथ्वी राज जैन, गिरीश जैन, राजेश जैन, कनकमल जैन, अजित नागदा, लक्ष्मीलाल जैन, अनील जैन, अमृत लाल जैन, उमेश चत्तर, अशोक बंडीतथा महावीर जैन ने जलाभिषेक किया जिसका पारस चैनल पर सीधा प्रसारण भी हुआ। दल की महिलाओं कुसुम कोठिया, सरोज जैन, प्रमिला बंडी, पुष्पा जैन, अंशुमाला जैन, दिया नागदा, मंजूला जैन, लता जैन, कंचन जैन, सूर्या जैन, संगीता जैन, जबल जैन सहित सभी महिला यात्रियों ने पूजा अर्चना कर मंगल गीत गाएं। यात्रियों ने प्राचीन टीले, गंभीरी नदी, नवग्रह मंदिर, ध्यान केंद्र, चंद्र प्रभ जिनालय, मुनिसुव्रतनाथ जिनालय, एवं महावीर संग्रहालय के दर्शन ऊंटगाड़ी और घोड़ा गाड़ी की पारम्परिक सवारी द्वारा किए। जैन समाज मे दो ही रेल स्टेशन अपने दो तीर्थंकरों के नाम से हे जिनमे एक श्री महावीर जी राजस्थान में हे तो दूसरा पारसनाथ के नाम से झारखंड सम्मेदशीखरजी मे है। कोठिया ने बताया की यात्रियों ने इससे पूर्व अतिशय क्षेत्र देहरा तिजारा के चमत्कारिक चंद्रनाथ भगवान के दर्शनों का लाभ लिया जहा उन्हे आचार्य विमर्श सागर जी महाराज का ससंघ आशीर्वाद प्राप्त हुआ।

प्रांतीय धर्म जागृति संस्थान राजस्थान

राज्य स्तरीय अहिंसक आहार पोस्टर प्रतियोगिता के पोस्टर का विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान प्रांत राजस्थान द्वारा आयोजित की जाने वाली राज्य स्तरीय पोस्टर प्रतियोगिता के प्रथम पोस्टर का विमोचन श्री जिनमन्दिर परिषद भवन कालका दिल्ली में विराजित प. पू. आचार्य वसुनंदी जी मुनिराज ससंघ के पावन सानिध्य में किया गया। प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि पोस्टर प्रतियोगिता जैन धर्म के 24वे तीर्थंकर भगवान महावीर के 2550 वे निर्वाणोत्सव वर्ष को आचार्य श्री वसुनंदी मुनिराज द्वारा अहिंसक आहार वर्ष घोषित किए जाने के क्रम में आयोजित की जा रही है। जिसमे 24 नगद बंपर पुरस्कार रखे गये है। आयोजन के मुख्य संयोजक प्रेम चंद छाबड़ा व समन्वयक संजय जैन ने बताया कि इस अवसर पर जयपुर से संस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला के साथ कमलेश पाटनी, सोभाग अजमेरा, पुष्पा बिलाला, दीपा पाटनी, प्रियांशी दिल्ली परिषद के महामंत्री अनिल जैन नेपाली, ग्रीन पार्क से सुरेश जैन, नौगाँव से उपाध्यक्ष रजत जैन सहित कई गण मान्य सदस्यों की उपस्थिति रही। महामंत्री सुनील पहाड़िया व कोषाध्यक्ष पंकज लुहाडिया के अनुसार अहिंसक आहार पोस्टर प्रतियोगिता के प्रेरक आचार्य वसुनंदी जी ने व मार्गदर्शक आर्यिका वर्द्धस्व नंदिनी माताजी ने सभी को मंगल आशीर्वाद दिया तथा कहा कि प्रतियोगिता श्रुत पंचमी के शुभ अवसर से प्रारंभ होगी जिसमे अधिक से अधिक सहभागिता कर प्रतियोगीयो को पोस्टर घर से ही बनाकर सभी स्थानों पर नियुक्त स्थानीय संयोजको को देना है ।

Khandelwal Charitable Physiotherapy Centre

खण्डेलवाल धर्मार्थ सर्जिकल उपकरण सेवा केन्द्र

(MANAGED BY SHREE KHANDELWAL VAISHYA JAN SEVA TRUST, VAISHALI NAGAR, JAIPUR)

कमर दर्द | लकवा | साइटिका | स्लिप डिस्क

कंधे का दर्द | एडी का दर्द | घुटने का दर्द | गर्दन दर्द

कंधा जाम | स्पोर्टस इंजरी | जोड़ों का दर्द | मांसपेशियों का खिंचाव

स्वास्थ्य सुधार के लिए चिकित्सा उपकरण नि:शुल्क उपलब्ध है।

नि:शुल्क परामर्श : समय: प्रात: 8.00 से 12.00 तक

सम्पर्क सूत्र– 9828105458, 9414029421, 9414312939

185 HEERA NAGAR, D.C.M. AJMER ROAD, JAIPUR

योगाभ्यास प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

अशोकनगर. शाबाश इंडिया। स्वयं स्वस्थ बनो अभियान द्वारा विगत दस दिनों से चल रहे योगाभ्यास, प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ। संस्था के संरक्षक सुभाष जैन कैंची एवं चेयरमेन संदीप बड़कुल ने बताया कि स्वयं स्वस्थ बनो अभियान द्वारा मानोरिया परिवार के सहयोग से योग प्रशिक्षण एवं प्राकृतिक जीवन जागृति शिविर का आयोजन दिनांक 29 मई से 07 जून 2024 तक वर्धमान विद्यालय अशोकनगर में किया गया। शिविर के दौरान योग विशेषज्ञ एवं प्राकृतिक चिकित्सक डॉ.गीता जैन मुम्बई एवं प्रशिक्षण सहयोगी दीपक जानी द्वारा 205 सहसाधकों को लगातार दस दिनों तक योग साधना कराई जाकर प्राकृतिक जीवन जीने की कला सिखाई ।शिविर के दौरान वज्रासन, पदमासन, सुखासन, श्वसन मार्ग शुद्धि ,कपालभाति, अनुलोम- विलोम, वृक्षासन ,मार्जरासन, उठित पादासन,उत्तान ताड़ासन, पवन मुक्तासन,सेतु बंधासन, भुजंगासन,नोकासन, सलभासन, द्रोणासन, उत्तान वक्रासन, हस्तपादासन, चैतन्यासन, प्रणो प्राणायाम का अभ्यास कराया जाकर योग साधना की बारीकियां समझाई गई।

श्री अशोक - अर्चना पाटनी

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के कार्यकारिणी सदस्य

Happy Anniversary

8 जून' 24

9887303063

की वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या

संस्थापक अध्यक्ष: राकेश - समता गोदिका

सचिव: राजेश - रानी पाटनी

कोषाध्यक्ष: दिलीप - प्रमिला जैन

सांस्कृतिक सचिव: कमल-मंजू ठोलिया

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

भारतीय जैन मिलन महिला विंग जयपुर द्वारा मासिक भक्तामर विधान का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। भारतीय जैन मिलन महिला विंग जयपुर द्वारा अध्यक्ष पूनम तिलक के निर्देशन में मासिक भक्तांमर विधान की श्रृंखला में ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या गुरुवार दिनांक 6-6-2024 को श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर कीर्ति नगर टोंक रोड जयपुर पर बड़े ही ठाठ - बाट से विधान का आयोजन किया गया। भक्ति भाव पूर्वक संगठन की महिलाओं द्वारा विधान संपन्न किया गया। विधान में प्रमुख सलाहकार सुनीता जैन, संयुक्त मंत्री स्नेह लता जैन, सांस्कृतिक मंत्री वंदना पाटनी, प्रचार प्रसार मंत्री रचना वैद, धार्मिक मंत्री लीला जैन, वीना काला, उर्मिला जैन, अभिलाषा जैन, प्रेरणा जैन,भारती जैन, सीमा पाटनी, मीना जैन आदि महिलाओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया एवं पुण्य का संचय किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव 108 श्री सुधा सागर जी के आशिर्वाद से "विद्या आराधना शिविर दिल्ली की अद्भुत प्रस्तुति"

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

5 जून को सूर्य नगर के स्वामी श्री शांतिनाथ प्रभु के जन्म तप एवम मोक्ष कल्याणक साथ ही साथ परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी एवम पूज्य तीर्थ चक्रवर्ती निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव 108 श्री सुधा सागर जी के मंगल आशिर्वाद एवम प्रेरणा से श्रमण संस्कृति संस्कार शिविर का समापन समारोह आयोजित 'गुरु उपकार महोत्सव' के रूप में चल रहे 'विद्याराधना ज्ञान शिविर' का अप्रतिम समापन महोत्सव आयोजित किया गया। महोत्सव के पलों को अविस्मरणीय बनाने की श्रृंखला में प्रातः 6 बजे ढोल नगाड़ों के साथ भव्य पालकी यात्रा, शांतिधारा, अभिषेक एवं प्रातः 8 बजे से पहली बार सचिन भैया एवम पंकज भीलवाड़ा के सानिध्य में अद्भुत एवं अद्वितीय संगीतमय शांति विधान का आयोजन किया गया। विधान के पश्चात 11 बजे से भोजन वितरण किया। संध्याकाल 6.30 बजे से श्री शांति प्रभु का चालीसा जाप

आरती, सुश्री यामिनी जी के भरतनाट्यम, पंकज जी के मधुर संगीत, कवि सौरभ जी 'भयंकर' व राष्ट्र कवि डॉ कमलेश बसंत के ओजस्वी काव्य रस से गुरु के गुण गान किया। सब लोग गुरु भक्ति में सरोबर हो गये सूर्यनगर के होनहार बच्चों के अकल्पनीय मंगलाचरण, शिविर के परीक्षा परिणाम पारितोषिक एवं सर्टिफिकेट वितरण किए गए। आनंद सागर में डूबते हुए भारत के सुप्रसिद्ध व प्रमुख भामाशाह श्रावक श्रेष्टि प्रमोद पहाड़िया, दर्शन बाकलीवाल, विनोद छाबड़ा, शीला डोडिया, वंदना जैन जयपुर, सुशील मोदी विकास पटवारी विजय कोटा सोरब, सुनील बिजोलिया, पंकज सभी गुरु भक्त इस समारोह में शामिल हुए और इस पूरे आयोजन के सूत्रधार भई सचिन जैन का गुरु परिवार की और से स्वागत किया गया। निर्यापक मुनि श्री सुधासागर जी महाराज ने सांगानेर संस्थान की स्थापना की उनके प्रयास से आज समूचे भारत मे धर्म की जो गंगा बह रही हैं वह पूज्यवर के नाम को अमर बना रही हैं विश्व के एक मात्र ऐसे सन्त जिन्होंने जीवंत शास्त्रों के निर्माण का बीजारोपण किया बल्कि अपने आशीर्वाद से सींच कर इतना बड़ा कर दिया हैं कि जिसके पत्तो शाखाओं और तनों तक से लोग प्रभावित हो रहें हैं ज्ञानार्जन कर रहें हैं। सूर्य नगर दिल्ली में लगने वाले इस शिविर ने प्रभावना की जो उचाइयां पाई हैं उससे दिल्ली में पूज्यवर के नाम की प्रभावना और पहुचने की ललक और बढ़ गयी हैं। सचिन भाई और उनके सभी सहयोगी मित्रो को हार्दिक बधाई देते हुए उनसे उम्मीद रखता हूं कि अगली बार के शिविरो की संख्या इससे कहीं अधिक हो।

विश्व पर्यावरण दिवस पर गुलाबीनगर ग्रुप ने पौधारोपण किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के निर्देशन व राजस्थान रीजन जयपुर के तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस दिनांक 05 जून 2024 बुधवार को दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप गुलाबी नगर के सदस्यों द्वारा अपने अपने घरों में पौधे एवं पेड़ लगाए । कार्यक्रम में ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष अनिल - शशि जैन , संरक्षक सुरेन्द्र - मृदुला पांड्या, सुशीला - विनोद बड़जात्या अध्यक्ष, महावीर मुन्ना - देवी सचिव, सुनील - सुमन बज, निर्मल - ऊषा सेठी कोषाध्यक्ष, राजेन्द्र - मंजु छाबड़ा, अशोक - कुसुम छाबड़ा, प्रकाश - कांता पाटनी, सुनील - मीना काला, रतन - आशा सोगानी,रमेश - गुणमाला गंगवाल, चंद्र प्रकाश - चंदा छाबड़ा, विनोद - किरण जैन, नवल - मंजु जैन सभी ने पेड़ - पौधे लगाए । अध्यक्ष सुशीला बड़जात्या ने पेड़ - पौधे लगाने की आवश्यकता व पर्यावरण को संतुलित करने के लिए जरूरी बताया । सचिव महावीर पांड्या ने इस कार्यक्रम के लिए सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया ।

विश्व पर्यावरण दिवस पर रिजर्व पुलिस लाईन अजमेर में किया वृक्षारोपण

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण संरक्षण और नागरिक स्वास्थ्य की जागरूकता हेतु अजमेर रिजर्व पुलिस लाईन में पुलिस महानिरीक्षक रेंज अजमेर श्रीमती लता मनोज कुमार व पुलिस अधीक्षक अजमेर देवेंद्र कुमार बिश्नोई द्वारा वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया । इस अवसर पर 100 के करीब वृक्ष लगाए गए। विश्व पर्यावरण के इस मौके पर पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार विश्नोई ने दैनिक जीवन में वृक्ष की महिमा बताई । कार्यक्रम के तहत रिजर्व पुलिस लाईन के जवानों ने विश्व पर्यावरण संरक्षण हेतु रैली निकाल आमजन को वृक्षारोपण हेतू जागरूक किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में रिजर्व पुलिस लाईन के अधिकारी गण व स्टाफ मौजूद रहा ।

वन स्टॉप सेंटर (सखी) ने गुमशुदा महिला को परिवार से मिलाया

उदयपुर. शाबाश इंडिया। शहर में महिलाओं के लिए संचालित वन स्टॉप सेंटर (सखी) ने एक लंबे समय से लापता महिला को उसके परिजनों से मिलवाने में बड़ी कामयाबी हासिल की है। मामले की जानकारी देते हुए केन्द्र प्रबंधक किरण पटेल ने बताया कि उदयपुर रेलवे स्टेशन पर अपने दो मासूम बच्चों के साथ दो दिन से घूम रही महिला को सखी सेंटर में आश्रय देकर उसके परिजनों का पता लगाया गया तथा केन्द्र के कार्मिकों द्वारा महिला को सकुशल उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। गौरतलब है कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा देशभर में संचालित वन स्टॉप सेंटर (सखी) के अंतर्गत सभी प्रकार की हिंसा से पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को एक ही स्थान पर अस्थायी आश्रय, पुलिस-डेस्क, विधि सहायता, चिकित्सा एवं काउन्सलिंग की निशुल्क सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। इस दौरान केन्द्र प्रबन्धक सहित परामर्शदाता रेखा जीनगर तथा स्टाफ नर्स ललिता पूर्बिया भी उपस्थित थे।